

2.6.16

७

पत्रावली आज राजस्थान लोक अकादमी  
वैष्णव कोषागार में पेश हुई। जवला  
के तब यह उपाय है कि नदी इस्फुटित  
है मामलसिंह के दावा अनुसार यह  
निर्देश दिया है कि इसके लिए मामलसिंह  
की कृप्य होने पर विरासत की मायावदुल  
की विधा गया किसे नदी का नदी

ईश्वर सिंह के पत्र पर हस्ताक्षरों को दर्ज  
 कर दिया गया जिसे भुक्त कर ईश्वर सिंह रिपोर्ट  
 जारी करके अपने अधिकाधिक पत्र, राजगढ़  
 के जय पंचायत का इस कार्य प्रमाण भी  
 उत्तुम रिपोर्ट ही तथा हस्ताक्षरों को दर्ज  
 करके के पत्र भी दर्ज किए गए। बाकी जय  
 राजगढ़ के नंबर 333, जय कासडी नंबर  
 के नंबर 460, 757, 773, 571, 572, 595,  
 465, 469, 470, 471, 488 तथा जय कासडी  
 नंबर के नंबर 440, 441, 679, 680, 683,  
 684, 437, 436, 443 में हस्ताक्षरों के उक्त  
 नंबरों के बाकी का जय हस्ताक्षरों को  
 मातासिंह के जय नंबर दर्ज है जिसे ईश्वर सिंह  
 इस मातासिंह दर्ज करने के आदेश दिए जाते हैं।  
 सम्पूर्ण नुमां के सेलुलर होने पर तथा प्रमाणी  
 में उपलब्ध नुमां के आदेश पर जय  
 राजगढ़ प्रमाण जी.आ.आ. के वर्तमान नंबर  
 333, जय कासडी नंबर प्रमाण जी.आ.आ. के  
 वर्तमान नंबर 460, 757, 773, 571, 572, 595,  
 465, 469, 470, 471, 488 तथा जय कासडी नंबर  
 प्रमाण जी.आ.आ. के वर्तमान नंबर 440, 441, 679,  
 680, 683, 684, 437, 436, 443 की अमासनी  
 में "हस्ताक्षरों" के पत्र पर "ईश्वर सिंह" दर्ज  
 करने के आदेश दिए जाते हैं। तहसील पर  
 दस्तावेजों के फाइल से नुमां जारी हो,  
 प्रमाणी फाइल भुक्त होकर नुमां के  
 कर लेंगे।

उप खण्ड अधिकारी  
 राजगढ़